भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3702

जिसका उत्तर दिनांक 11.08.2021 को दिया जाना है

परमाणु विकिरण

3702. श्री अशोक महादेवराव नेते :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विभिन्न परमाणु संयंत्रों में कार्यरत वैज्ञानिकों/कर्मचारियों तथा स्थानीय लोगों के परमाणु विकिरण के संपर्क में आने का पता चला है;

(ख) यदि हां, तो गत दो वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपाय क्या हैं;

(घ) क्या बड़े पैमाने पर परमाणु ऊर्जा का उपयोग चिकित्सा और कृषि क्षेत्र में एक वरदान साबित हो रहा है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) देश में परमाणु संयंत्रों के कार्य को समय पर पूरा करने के लिए सरकार द्वारा प्रस्तावित सक्रिय योजनाओं का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) पिछले दो वर्षों के दौरान देश के नाभिकीय विद्युत संयंत्रों में व्यावसायिक कर्मियों और स्थानीय जनता की परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक विकिरण उद्भासन की कोई घटना नहीं हुई है ।

(ग) उपरोक्त (क) और (ख) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता ।

(घ) जी, हां ।

(ङ) सामाजिक लाभ के लिए स्वास्थ्य देखभाल और कृषि के क्षेत्र में विकिरण स्रोतों (रेडियो सक्रिय पदार्थ और विकिरण से उत्पन्न उपकरण) का सफलतापूर्वक और व्यापक इस्तेमाल किया गया है । इन अनुप्रयोगों ने कई स्वास्थ्य स्थितियों विशेषकर कैंसर के

निदान और उपचार में, उन्नत फसल किस्मों विशेषकर तिलहन और दलहन की उपलब्धता में, खाद्य की जीवाणुतत्व-संबंधी संरक्षा में तथा कुछ सब्जियों और फलों की निधानी आयु (शेल्फ-लाइफ) बढ़ाने में पर्याप्त प्रभाव डाला है ।

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) परमाणु ऊर्जा विकिरण संरक्षण नियम, 2004 के अधीन उक्त सामाजिक अनुप्रयोगों में विकिरण स्रोतों के उपयोग के लिए लाइसेंस जारी कर रहा है ।

(च) बहुस्तरीय परियोजना गतिविधियों की प्रगति का लगातार मॉनीटरन करने, बाध्यताओं की समय पर पहचान एवं आवश्यक मध्यकालिक सुधारों के लिए, विक्रेताओं/ठेकेदारों से अक्सर बैठकें करने और निर्माण गतिविधियों का यथासंभव पुनः अनुक्रमण करने का कार्य किया गया जिससे नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन किया जाना सुनिश्चित हो सके ।

* * * * *